

वासिवाले

आमंत्रण

२०२१ I

52

अथदि ४

१ स्वामिस वलि था प्रप ॥ पूव्य राऊन ॥ वलिस स्नान ॥ य
मृगान अलि स्नान ॥ वगसि वन अर्द्ध वन्द योय दृष्टि
कर्तु य गाका य श्र य गाका अद्रवाल उ उमका य य
मा (श्र) स्नान अवल ॥ शि गलन आयसा ॥ सूर्यार्थ ॥ गुन
नमस्काव ॥ न्यास वली सि ॥ ह कावन न्यास ॥ उल य

आइ नौ वडया ॥ म ॥ बूड ॥ व ॥

मालनीयुः १

५॥ अथ यागयूजा ॥ सु गंधुद्वि ॥ आत्मयूजा ॥ धीस वः
 लोन आवाहन ॥ पञ्चवलि ॥ गिदव ॥ यामि ॥ ब्रह्मा
 दि ॥ १० ॥ ॐ द्यौः ब्रह्मायनमः ॥ ॐ द्यौः आग्नेयनमः ॥
 ॐ द्यौः ऊमायनमः ॥ ॐ द्यौः नीमणायनमः ॥ ॐ द्यौः
 वसुणायनमः ॥ ॐ द्यौः वायुशायनमः ॥ ॐ द्यौः कूव

महादेवस्तु नमः शिवाय

ॐ का वरो व वायन म॥ ॐ का उ ल रु रो व वायन म॥
॥ ॐ का क य लि स रो व वायन म॥ ॐ का ल व न रो व वाय
न म॥ ॐ का स ह व रो व वायन म॥ पु या ग दि ॥ ८ ॥ ॐ
का पु या ग रो व वायन म॥ ॐ का व नू न रो व वायन म॥
ॐ का का ला पू न रो व वायन म॥ ॐ का श्रु ष ह स रो व वा

व य न म॥ ॐ का ऊ य नि पू न रो व वायन म॥ ॐ का च
वि ण रो व वायन म॥ ॐ का नू का म रो व वायन म॥ ॐ
का द वि का ट रो व वायन म॥ ॐ का न्या दि ॥ ८ ॥ उ या
दि ॥ ८ ॥ कम ला गी थ श्रु दि न न व यी ० श्रु ष मा गृ का ॥
व (हृ ष वी ॥ र ग व नि ॥ य च लि ॥ क यि थि ॥ ना ग ष्व

३॥ वक्रलादवी॥ सीम॥ डायगि॥ गर्लदिमाम॥ लूयि
नाय॥ माहादवन॥ काठिलिङ्ग॥ विष्णुदवन॥ मनम
याल॥ लाहाखता॥ दवकलंदव॥ बलि लाहा॥ गिष्टू
ल॥ त्रिवेमनग्वलदवल॥ पग्वलदवल॥ माएका
॥ इवनया मालक॥ धाथव २ मनुनवल्लि॥ कणमू

लनगियाङ्गलि॥ यक्षखलावार॥ ममवयसिधवार्या
विधिनागरुलयदा॥ वक्रखनार्याजामार्यायाविनाग
रुलयदा॥ कीवध्वयसिमखनार्याआयुवृद्धिरुल
यदा॥ डरुवगुगन्धखनार्यालक्ष्मीवृद्धिरुलयदा॥
म(ध)वीनयानखनार्याम(ध)सूर्यिषखनक॥ यक्षः

दादिक...

अवायसिद्धति यत्कर्मनिसु सिद्धयत् ॥ नमो म
जलअवाययाद्रका ॥ पूर्व ॥ नमो नकभेना ॥ य
याद्रका ॥ नमो नकभेना ॥ याद्रका ॥ व
धिम ॥ नमो नकभेना ॥ याद्रका ॥
उत्तर ॥ नमो नकभेना ॥ याद्रका ॥

म ॥ यत्कर्मनिसु सिद्धयत् ॥ वलिवियमयूगाव
यत्कर्मनिसु सिद्धयत् ॥ वलिविय ॥ अत्रादि ॥ सम
य ॥ वत्तवदि ॥ सानिवलि ॥ महावलि ॥ त्वाकमहाव
लिनयूनक ॥ आवाकथानिमूडा ॥ वृष ॥ दीव ॥ जाय
॥ साग ॥ ॥ अत्रादिमलुमैलाकार ॥ शीसवर्ण ॥ सिद्धव

यादाव, वि, वकन, समय, र्थं गयावशा कयय कं हय
क ॥ दक्षिण ॥ ऊऊमान चन्दनादि ॥ आशी चोद ॥ वलि
विस ऊन ॥ जायुआदक स्वासि संग ॥ वलि क्काय ॥ वृसाः
वनन दुका दूय कं लिगाहयाव, दवल य्वापि वन
वाय ॥ ॐ गिगलं उलं इयुस वलि विरय विधि ॥ वसाः

वदज्ञयाविधि॥

जन्म प्रकल्प

ASHA ARCHIVES

2021

I



श्रीगणेशाय नमः

व

गणेश



सर्वज्ञानं सर्वभूतानां
सर्वज्ञानं सर्वभूतानां
सर्वज्ञानं सर्वभूतानां